हरियाणा में पढ़ी लिखी पचांयत

प्रीति D/o श्री रोहताश कुमार

निवास स्थान महम जिला रोहतक

एम.ए. राजनीति विज्ञानं

C.B.L.University Bhiwani

शोध लेख सार

जैसा कि शाब्दि संरचना से विजित है कि पचांयत जो कि सदस्यों एवं मुखिया की शिक्षा विकास एवं अपने स्थानीय ग्राम, सामाजिक सेवा एवं उत्थान के लिए लोकतांत्रिक राज्य में चार पंच एवं एक मुखिया का चयन अपने – अपने क्षेत्रीय स्थान की समस्याओं के समाधान व विकास के लिए चुने गए है। भारत की पचांयती राज प्रणाली में गाँव स्तर पर ग्राम पंचायत होती है। जो भारत के स्थानीय स्वशासन का प्रमुख अवयव है। प्राचीन समय से ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में पचायत का महत्वपूर्ण स्थान रहा है शासक व शासत पचांयतों के लिए मनोहर सरकार ने पढा–लिखा होना अनिवार्य कर दिया है। गांव के सभी निवार्चित प्रतिनिधियों का पढ़ा लिखा होना अनिवार्य है। इसके लिए हरियाणा सरकार ने पढ़ी–लिखी पंचायत की योजना को लागू किया है।

मुख्य शब्द लोकतांत्रिक राज्य, पचांयती राज, निवार्चित प्रतिनिधि, स्वशासन

भूमिका

गाँव की पंचायतो ने गांव में तकनीकि सूविधाएँ उपलब्ध करवाने के लिए सरकार को पत्र लिखा है ताकि गाँव के सभी व्यक्तियों को तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सकें। पढी–लिखी पंचायत देने तथा स्टार गांव परिभाषित करने के बाद पंचायती राज संस्थानों के प्रतिनिधियों को सरकार द्वारा नई पहल की गई है कामकाज में भागीदारी बढाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा नई पहल की गई है। देश में पहली बार पढी–लिखि पंचायतो का तंत्र खडा करने वाली मनोहर सरकार अब उन्हे कम्प्यूटर के ज्ञान से लैस कराएगी। जिला परिषदो को शिक्षा, परिवहन जैसे विभागों के कुछ कार्यो का दायित्व सौपा गया है और इसमें प्रति जागरूक किया जाऐगा। शिक्षा से संबधित मुदो पर व शिक्षा के स्तर को आगे बढाने कें लिए ठोस कदम उठाए जाऐगे।

शोध प्रतिधि

इस शोध पत्र के लिए शोध सामग्री अधिकांश रूप में द्वितीयक स्त्रोतो से ग्रहण की गई है। इसमें ऐतिहासिक विश्लेषण व वर्णनात्मक दृष्टिकोण को स्थान दिया गया है। शोध सामग्री प्रसिद्ध पत्र–पत्रिकाओ, पुस्तको व समाचार पत्रो से प्राप्त की गई है।

पढी लिखी पंचायत के विकास के लिए कार्य

हरियाणा के पूर्व राज्यपाल कप्तान सिहं सोलकी ने 7 स्टार इद्रधनुष योजना के तहत राज्य की 7 पंचायतो को सम्मानित किया यह योजना हरियाणा सरकार की एक नई पहल है जो देश की पचांयतो के लिए अनुकरणीय है। उन्होने कहा कि अगर देश की सभी ग्राम पचांयते इस योजना के तहत काम करेगी तो सबका साथ सबका विकास के रास्ते पर आगे बढ़ते हुए एक सम्पूर्ण व श्रेष्ठ भारत का निर्माण होगा। वे सभी ग्राम पचांयतो के जिन्होने 7 स्टार जीते ये पचांयते दूसरे गांव को प्ररेणा देने का काम करेगी। गांव को विकसित करने के लिए पैकेज आफॅ प्रैक्टीसस लेकर आए है जिसमें अलग–अलग बिदुंओ पर कार्य किया जाऐगा। गाँव से संबधित सभी समस्याओ का समाधान किया जाऐगा। उनकी स्थिति में सुधार किया जाऐगा जिससे एक अच्छे और विकसित गाँव का निर्माण करने में सहायता मिलेगी। इस योजना के तहत उन सभी ग्राम पचांयतो को जिन्होने 7 स्टार प्राप्त किए है। एक लाख की राशि प्राप्त होगी। बेटी बचाओ बेटी पढाओ के कार्यक्रमो पर ढेड–ढेड लाख की राशि प्राप्त होगी। युवा वर्गो को इसके प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। ताकि उनके द्वारा सामाजिक भागेदारी हो सके और एक अच्छे भविष्य का निर्माण हो सके। कम्पनी द्वारा 100 गाँव चुने गए है उनकी स्थिति में सुधार किए गए है। उनको प्रगति की दिशा प्रदान की गई है। इद्रर धनुष योजना के तहत हर गांव को स्मार्ट बनाने के लिए उनमें तकनीकि सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है। देश में पहली बार पढ़ी–लिखी पचायंतो का तंत्र खडा करने वाली मनोहर सरकार अब उन्हे कम्प्यूटर के ज्ञान से लैस कराएगी। ई–पंचायत के शुरू होने से कम्प्यूटर पर काम करने की दिक्कत से जूझ रहे सरपंचो को एक–एक टैब दिया जाएगा और टाइपिगं के लिए गांव में ही युवाओं को कम्प्यूटर ऑपरेटर बनाया जाएगा।

नई पहल

पढ़ी–लिखी पंचायत देने तथा स्टार गांव परिभाषित करने के बाद पचांयती राज सस्थानो के प्रतिनिधियों को सरकारी कामकाज में भागीदारिता बढाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा नई पहल की गई 30 अगस्त को पचंकुला में हुई पहली बैठक में राष्ट्रीय विकास परिषद की तर्ज पर राज्य परिषद का गठन किया गया। वित मंत्री कैप्टन आभिमन्यु विकास एवं पचांयत मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्रीमती

कविता जैन को परिषद का स्थायी सदस्य बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, सभी जिला परिषद व नगरपालिका किया के अध्यक्षो को भी स्थायी सदस्य पदनामित किया गया है। मुख्यमंत्री की पहल पर जिला परिषदो को शिक्षा, परिवहन, जैसे विभागों के कुछ कार्यो का दायित्व सौपा है और बजट के रखरखाव व कार्यप्रणाली के बारे इस बैठक में महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जाएगी।

हरियाणा सरकार द्वारा सुविधाएँ

लिगांनुपात में बेहतर प्रदर्शन करने वाले ग्राम पचायतो को गुलाबी स्टार, शिक्षा में ड्रॉपआउट रोकने वाली पचांयतो को नीला, सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए सफेद, शांति एवं सदभाव के लिए नारंगी, पर्यावरण सरक्षंण के लिए हरा स्टार सुशासन के लिए सुनहरा तथा सामाजिक भागीदारिता के लिए सिल्वर स्टार से सम्मानित किया गया है।

रोहतक जिले के कलानौर खंड के गांव काहनौर को राष्ट्रीय स्तर पर नाना जी देश मुख तथा पड़ित दीन दयाल उपध्य के पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

अब तक हरियाणा को देश में इसके वीर–जवानों तथा खिलाडियों के लिए जाना जाता था परंतु अब हरियाणा को पढी–लिखी व इटनरनेट फ्रैडली पंचायत से भी जाना जाने लगा है।

शिक्षित सरपंच होने के फायदे

लोकतत्रं के सबसे निचले स्तर ग्राम पंचायत से लेकर जिला परिषद् तक सभी प्रतिनिधि पढे लिखे होगे। जो उचित तरीके से कार्य करेगे

- कार्यकारी स्संथाओ में यदि पढ़े लिखे व्यक्ति होगे तो सभी सरकारी योजनाओ को बेहतर ढग से चलाया जा सकता है जिससे जनता के काम भी आसानी से होगे।
- पचांयती राज सस्थांओ में वंशवांद, परिवारवाद खत्म होगा
- आजादी के बाद चुनाव में शैक्षणिक योग्यता को लागू करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बना
- एक पढा लिखा नागरिक ही अपने अधिकारों के साथ–साथ अपने कर्तव्यो का निर्वाह भी सही ढगं से कर सकता है।
- एक पढा लिखा नागरिक ही सही गलत की पहचान कर सकता है। और अपने गाँव के विकास में भागेदारी कर सकता है।

महिलाओ की भागेदारी

पढी लिखी पंचायत से महिलाओ में भी जागरूकता आई है। गांव में महिलाओ के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए गए है। गांव में लड़कियो को शिक्षित करने पर जोर दिया जाऐगा। सरकार की शैक्षणिक योग्यता के नियम पर वह पंच चुनी गई है।

फतेहाबाद जिले के ढाणी माजरा गांव से शपथ लेने के लिए राजबाला ने कहा कि वह ग्रेजुएट पंच बनी है। गावं की पचांयत में वह अकेली आविवाहित पंच बनी है, जो उसके लिए बहुत सम्मान की बात है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रति जागरूकता

पढ़ी लिखी पचांयत द्वारा गांव की सभी महिलाओ को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया है। सरकार द्वारा चलाई गई योजना बेटी बचाओ, बेटी पढाओ, भ्रूणहत्या जैसे अपाराधो को रोकने के लिए गाँव की महिलाओ को जागरूक किया गया है। पंचायत का पंढी लिखी होना आज के समय की जरूरत थी। यह सपना प्रदेश में सरकार ने पूरा कर दिखाया है।

पंचायती राज सस्थांओ के चुनाव में शैक्षणिक योग्यता लागू करने के राज्य सरकार के फैसले को प्रदेश की 61 फीसदी जनता ने न केवल सराहा है बल्कि यहाँ तक कहा है कि पढी लिखी गांव की सरकार ही विकास के एजेडे को आगे बढा सकती है। गांवो के गौरवमयी इतिहास की जानकारी युवा पीढी तक पहुचाने के लिए ग्राम गौरवपट्ट नामक योजना भी आरंभ की गई है।

फतेहाबाद के गांव काजलहेडी में पंचायती जमीन की बोली के दौरान अनुसूचित जाति के लोगों को फर्श पर बिठाने का मामला सामने आया है। जिसके बाद गांव में अनुसूचित जाति के लोग लाभबंद होना शूरू हो गए है और लोगो द्वारा इस बात का विरोध भी किया जा रहा है। हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की चेयरपर्सन सुनिता दग्गल की ओर से मामले मे जांच की बात की गई और कहा कि वह जिला उपायुक्त को मामले की जाचं के आदेश देगी और खुद भी अपने स्तर पर जांच करवाऐगी।

निष्कर्ष

शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा जीवन में ऊंचाइयो को छुआ जा सकता है। शिक्षा की जड़ कडवी है पर उसके फल मीठे है इसी सोच को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने पढी लिखी पचांयतो का हमारे यहाँ लागू करने के लिए एक ठोस कदम उठाया है एक शिक्षित व्यक्ति ही अच्छे भविष्य का निर्माण कर सकता है इस बात को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने इस बार के पंचायत चुनाव में अनिवार्य रूप से शैक्षणिक योग्यता के प्रावधान को लागू किया। राज्य सरकार ने सरपंच के लिए 8 वीं, जिला परिषद एवं

पचांयत समिति सदस्य के लिए 10 वीं पास की शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य कर दी है। पढी–लिखी पचायतो के बाद सरकार की योजना उन्हे सक्षम बनाने की है। हरियाणा के इतिहास में पहली बार जिला समितियों और ब्लॉक समितियों को सीधा बजट आंबटन करने की पहल की गई है वुड़ि का विकास मानव अस्तित्व का अन्तिम लक्ष्य होना चाहिए।

सदंर्भ सूचि

http://www.dictionary.com / browre / jury

http://www.njcourts.gov / jury / idex.htmi

http://www.google.com

hindi.news 18.com

https://prharyana.gov.in>paradaesa&kao.

https://navbharattimes.com

https://haryana.punjabkesari.in

https://www.bhaskar.com>panipat

https://hindinews18.com>panipat

https://www.jagrah.com>haryana

https://www.patrika.com>haryana

amarujala.com